***Date*:** 20-07-2021
***Publication*:** Sanmarg
***Edition*:** Asansol

कोल इंडिया कोयला के अलावा सौर ऊर्जा क्षेत्र में करेगी निवेश : प्रमोद

सन्मार्ग संवाददाता

सांकतोड़िया : कोल इंडिया के चेयरमैन प्रमोद अग्रवाल ने कहा कि कोल इंडिया कोयला के अतिरिक्त अन्य क्षेत्रों में भी निवेश करने जा रही है। सौर ऊर्जा से बिजली उत्पादन करने के लिए कंपनी तकरीबन 400 करोड़ का निवेश कर रही है। उन्होंने कहा कि ईसीएल समेत अन्य कंपनियों में भी कोल बेड मिथेन का उत्पादन शुरू करने जा रही है। इसके अलावा कोल इंडिया इन दिनों नए बाजार ढूंढ रही है। इसके लिए कोयला निर्यात बढ़ाने के सभी उपायों पर ध्यान दिया जा रहा है। ऐसे देश जहां हम अपने उत्पाद निर्यात कर सकें, उनके साथ समझौते किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि कोयला कर्मियों के बेहतर इलाज के लिए अस्पतालों का पुनरुद्धार करने को प्रतिबद्ध हैं। उस दिशा में काम चल रहा है। नए चिकित्सकों, चिकित्सा कर्मियों

प्रमोद अग्रवाल

की बहाली की प्रक्रिया चल रही है। ईसीएल सीएमडी प्रेम सागर मिश्रा ने कहा था कि ईसीएल कोयला उत्पादन का 80 प्रतिशत कोयला पॉवर हाउस को देती है। इसके अलावे अब पड़ोस देश को भी कोयला देने के लिए तैयारी चल रही है। उन्होंने कहा कि ऐसे देश जहां हम अपने उत्पाद निर्यात कर सकें, उनके साथ समझौते किए जा रहे हैं। नेपाल, भूटान, बांग्लादेश जैसे पड़ोसी देशों में कोयला निर्यात की संभावनाएं दिखती हैं। वहां कोयले की खेप भेजी भी जा रही है। निर्यातकों को ऑक्शन में शामिल होने के लिए सुविधाएं दी जा रही हैं और उन्हें समय पर कोयला मिले, यह सुनिश्चित भी किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ईसीएल की सबसे बड़ी परियोजना राजमहल है, वहां अभी मात्र 15 हजार टन प्रतिदिन उत्पादन हो रहा जहां प्रतिदिन 60 से 70 हजार टन प्रतिदिन उत्पादन होता था। अभी ईसीएल 19 फीसदी नकारात्मक ग्रोथ में चल रही है। पॉजिटिव ग्रोथ में लाने के लिए हम सभी को अथक प्रयास करना होगा। इस दिशा में प्रयास जारी रहेंगे।

***Date*:** 22-07-2021
***Publication*:** Prabhat Khabar
***Edition*:** Asansol

झाझरा परियोजना इसीएल की ही नहीं, पूरे कोल इंडिया की है प्रतिष्ठा : प्रमोद अग्रवाल

- कहा, सीएचपी व रेलवे लाइन का कार्य एक साथ निर्धारित समय पर पूरा करना आवश्यक
- कहा, हर निवेश की उपयोगिता होगी पूरी
- कोल इंडिया में है सबसे बड़ी मशीनीकृत भूमिगत कोयला खदान झाझरा
- आगामी दिनों में पांच लाख मिलियन टन का लक्ष्य

झाझरा में कार्यक्रम को संबोधित करते कोल इंडिया के चेयरमैन.

कोलियरी का निरीक्षण करते चेयरमैन.

आसनसोल/रानीगंज/अंडाल/दुर्गापुर. कोल इंडिया लिमिटेड (सीआइएल) के चेयरमैन प्रमोद अग्रवाल ने कहा कि झाझरा प्रोजेक्ट इसीएल की ही नहीं, पूरे कोल इंडिया की प्रतिष्ठा है. यह देश की सबसे बड़ी तथा आधुनिक मशीनीकृत भूमिगत खदान है. यहां साढ़े तीन लाख मिलियन टन कोयला उत्पादन हो रहा है, जल्द ही पांच लाख मिलियन टन कोयला का उत्पादन आरम्भ होगा. यहां से कोयला का प्रेषण सहज तरीके हो, इसे लेकर पूरे सिस्टम को मशीनीकृत करने के तहत कोल हैंडलिंग प्लांट (सीएचपी) के साथ ही रेलवे कॉरिडोर का कार्य भी आरम्भ किया है. 240 करोड़ की लागत से बननेवाले रेलवे कॉरिडोर का कार्य राइट्स को दिया गया है. आठ किलोमीटर रेलवे लाइन का यह कार्य ढाई वर्षों में पूरा हो जाएगा. सीएचपी के साथ-साथ इस कार्य का भी पूरा होना आवश्यक है ताकि किसी भी निवेश की उपयोगिता पूर्ण हो सके. बुधवार को झाझरा एरिया में रेलवे कॉरिडोर के शिलान्यास समारोह को संबोधित करते हुए चेयरमैन श्री अग्रवाल ने यह बातें कहीं. इसीएल के अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक (सीएमडी) प्रेमसागर मिश्रा, तकनीकी निदेशक (ओपी) वी. बीरा रेड्डी, तकनीकी निदेशक (पीपी) जयप्रकाश गुप्ता, कार्मिक निदेशक विनय रंजन, वित्त निदेशक गौतम चंद्र दे, कार्यकारी निदेशक (को-ऑर्डिनेशन) एमके सिंह, मुख्य सतर्कता अधिकारी (सीवीओ) मुकेश कुमार मिश्रा व अन्य अधिकारी व कर्मी उपस्थित थे. चेयरमैन श्री अग्रवाल ने झाझरा में रेलवे कॉरिडोर और नयी इंक्लाइन संख्या तीन और पांच की आधारशिला रखी. यहां उन्होंने पौधरोपण भी किया. श्री अग्रवाल सोनपुरबाजारी एरिया में साइलो सीएचपी प्रोजेक्ट का, कुनुस्तोरिया कोलियरी, बांसड़ा ओसीपी का निरीक्षण करने के उपरांत कुनुस्तोरिया गेस्ट हाउस में समीक्षात्मक बैठक की. बैठक में निर्णय लिया गया कि बॉयलर में कोयला जलाने और इंजन चलाने से प्रदूषण फैल रहा है. यह पर्यावरण के अनुकूल नहीं है. अतः 50 साल पुराने वेंडर इंजन को तुरंत बदला जाना चाहिए. सभी निदेशकों को छोड़कर सभी एरिया के महाप्रबंधक और विभागों के प्रमुख इस बैठक ऑनलाइन शामिल हुए.

***Date*:** 23-07-2021
***Publication*:** Prabhat Khabar
***Edition*:** Dhanbad

कोल इंडिया चेयरमैन का दौरा, बोले

इ-ऑक्शन से होगा कोयला का निर्यात

कोयला नगर से दो एंबुलेंस को रवाना करते चेयरमैन साथ में अन्य अधिकारीगण.

- नयी संभावनाएं, नये बाजार व कंज्यूमर तलाश रही कंपनी
- **निर्यात बढ़ाने के सभी उपायों पर दिया जा रहा ध्यान**

वरीय संवाददाता ▷ धनबाद

कोल इंडिया चेयरमैन प्रमोद अग्रवाल ने कहा कि कंपनी इ-ऑक्शन के जरिये कोयला निर्यात करेगी. नये बाजार, कंज्यूमर और सभी तरह की संभावनाएं तलाशी जा रही हैं. ऐसे देश, जहां कोयला का उत्पादन नहीं होता है, वहां हम अपने उत्पाद निर्यात कर सकें, उनके साथ कंपनी समझौता कर रही है. वर्तमान में बांग्लादेश, नेपाल व भूटान जैसे पड़ोसी देशों में कोयला निर्यात की संभावनाएं दिख रही हैं. वहां कोयला की खेप भेजी भी जा रही है. निर्यातकों को इ-ऑक्शन में शामिल होने के लिए सुविधाएं दी जा रही हैं. साथ ही उन्हें ससमय कोयला मिले, यह भी सुनिश्चित किया जा रहा है. इस दिशा में हमारा आगे भी प्रयास जारी रहेगा. श्री अग्रवाल गुरुवार को कोयला नगर स्थित बीसीसीएल गेस्ट हाउस में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे. ● **बाकी पेज ११ पर पढ़ें पेज 07 भी**

कोलियरियों का निरीक्षण कर दिये निर्देश

चेयरमैन प्रमोद अग्रवाल ने आज बीसीसीएल के ब्लॉक दो क्षेत्र में निर्माणाधीन न्यू मधुबन कोल वाशरी तथा ब्लॉक दो के ओपन कास्ट प्रोजेक्ट का निरीक्षण किया. वह हरिणा बगान ऑफिसर्स कॉलोनी पहुंचे. यहां उद्यान में औषधीय पौधे लगाये. गेस्ट हाउस में दो घंटे विश्राम के बाद श्री अग्रवाल रांची रवाना हो गये.

इ-ऑक्शन से...

चेयरमैन ने कहा कि कोल इंडिया कोयला के अलावा अन्य क्षेत्रों में भी निवेश कर रही है. सौर ऊर्जा से बिजली उत्पादन करने के लिए कंपनी करीब 400 करोड़ का निवेश कर रही है. वहीं बीसीसीएल समेत अन्य कोल कंपनियों में भी कोल बेड मिथेन का उत्पादन जल्द शुरू होने के करीब है.